अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले में 500 करोड़ का कारोबार

38 देशों के 235 आयातक 255 आयातक प्रतिनिधियों ने की शिरकत, निर्यातकों को मिला 70 प्रतिशत आर्डर

जागरण संवाददाता, भदोही : कारपेट एक्सपो मार्ट में 15 अक्टूबर से चल रहे चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले का शुक्रवार को समापन हो गया। चार दिन के इस मेले में लगभग पांच सौ करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। मेले में 38 देशों के 235 आयातकों और 255 आयातक प्रतिनिधियों ने उपस्थिति दर्ज कराई और आर्डर दिए। मेला आयोजक कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) मेले की सफलता से गदगद है। पदाधिकारियों का कहना है कि फरवरी में नई दिल्ली में होने जा रहा भारत टेक्स-2025 कालीन उद्योग को और मजबूती प्रदान करेगा। मेले में लगभग 70 प्रतिशत आर्डर भदोही, मीरजापुर के निर्यातकों को मिले हैं। इससे यहां रोजगार को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

सीईपीसी के चेयरमैन कुलदीप राजवाटल ने चार दिवसीय मेले से 475 से 500 करोड़ रुपये के कारोबार का दावा किया है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय व सरकार के सहयोग से यह सफल रहा और इससे कालीन उद्योग को बहुत लाभ होगा। साथ ही वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने में मदद मिलेगी। राजवाटल ने मेले में हुई पूछताछ व आयातकों-निर्यातकों के बीच व्यवसायिक मीटिंग तय होने से भविष्य में कारोबार एक हजार करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद भी जताई। मेले में हुए लगभग पांच सौ करोड़ रुपये के कारोबार में लगभग 70 प्रतिशत आर्डर भदोही और मीरजापुर जिले के निर्यातकों के हाथ आए हैं। आयातकों के यहां के हैंडनाटेड कालीनों को पसंद किया और सबसे अधिक आर्डर इनके ही आए हैं।

अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, तुर्किये, स्पेन, ग्रीस, हंगरी, इटली, स्वीडन, बेल्जियम, नीदरलैंड, रूस, आस्ट्रेलिया, बहरीन, ब्राजील, चिली, कोलंबिया, फिनलैंड, जार्डन, जापान, लीबिया, मारीशस, नेपाल, ओमान, सिंगापुर, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, वियतनाम, दक्षिण अफ्रीका आदि देशों के आयातक कालीन मेले में शामिल हुए। आयातकों, खरीदारों, डिजाइनरों, वास्तुकारों आदि के 255 प्रतिनिधियों ने भी इंडिया कारपेट एक्सपो का दौरा किया। देश भर के 260 छोटे, मध्यम और बड़े निर्यातकों ने मेले में उत्पादों का प्रदर्शन किया। राजस्थान, पानीपत, हरियाणा, कश्मीर, पंजाब, वाराणसी, आगरा आदि के निर्यातक भी मेले में आए। भदोही-मीरजापुर की भागीदारी 90 प्रतिशत रही।

भदोही में चल रहे चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले का शुक्रवार को समापन हो गया। उत्पादों को समेटने में जुटे कर्मचारी व उत्पादों को देखते अमेरिका के आयातक ● जागरण

प्राकृतिक रंग से तैयार मोर्बेला कारपेट आयातकों की पहली पसंद

जागरण संवाददाता, भदोही : कारपेट एक्सपो मार्ट में चल रहे चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले में विभिन्न रंगों, विविध डिजाइनों के कलात्मक व मखमली कालीनों की चमक-दमक से आयातक आकर्षित हो रहे हैं। मेले में भागीदारी करने वाले लगभग सभी निर्यातकों ने आयातकों को प्रभावित करने के लिए कुछ न कुछ नया प्रयोग किया है लेकिन गोपीगंज की कालीन फर्म ग्लोबल ओवरसीज का मोर्बेला कारपेट ग्राहकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रहा है। इटली के डिजाइनर से तैयार कराए गए इस कालीन की विशेषता यह है कि इसमें प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया गया है। जिस तरह फर्श पर मार्बल लगवाया जाता है ठीक उसी रंग में कालीन तैयार कराया गया। निर्यातक के अनुसार फर्श पर बिछाने के बाद बिना छुए यह पता करना मुश्किल हो जाएगा कि यह मार्बल है या कालीन उत्पाद। इसके लिए कातियों की विशेष रूप से रंगाई कराई गई है। इस कालीन का स्टाल पर आने वाले लगभग सभी आयातकों ने प्रशंसा की।

कुछ निर्यातकों ने आर्डर भी दे दिया है। बदलते परिवेश में प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर उत्पाद तैयार कराने वाले निर्यातकों के स्टाल पर ग्राहकों का रुझान देखा जा रहा है। मेले में भागीदारी करने वाले कई निर्यातकों ने बताया कि आवासीय व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में उपयोग करने वाले अधिकतर लोग रासायनिक रंग से तैयार उत्पादों से परहेज करने लगे हैं। 10 गुणा आठ फीट के मोर्बेला कालीन की कीमत 1.80 लाख रुपये है। इसे अलग-अलग साइज में तैयार कराया गया है। इस कालीन को फर्श पर बिछाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

इटेलियन मार्बल की तर्ज पर किया गया तैयार

कालीन निर्यातक संजय गुप्ता का कहना है कि इटली भ्रमण के दौरान फर्श पर लगे मार्बल को देखकर इस प्रकार के कालीन उत्पाद तैयार करने का आइडिया उनके दिमाग में आया था। कालीन मेले के लिए विशेष रूप से सैंपल तैयार कराया है। सैकड़ों उत्पादों में इसका लुक सबसे अलग है। यही कारण है कि यह आयातकों की पहली पसंद बन गया। बताया कि इसमें 80 प्रतिशत प्राकृतिक रंग का उपयोग किया गया है जबकि 20 प्रतिशत रासायनिक रंगों का उपयोग हुआ है।